>

Title: Resentment and unrest among the officials in various services against recommendations of Sixth Pay Commission.

MR. SPEAKER: Now, Prof. Vijay Kumar Malhotra.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही गंभीर मामला सदन में उठाना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: आप सिक्स्थ पे कमीशन पर बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You can raise the matter about the Sixth Pay Commission. The other matter does not arise now.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, टी.आर. बालू साहब का मामला है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: इसके लिए आपको नोटिस देना होगा।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You know very well. आप हमारे से ज्यादा अच्छा जानते हैं।

â€¦(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : उन्होंने खुद इस बात को माना है कि हां, मैंने प्रैशर डाला। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: इसके लिए नोटिस देना पड़ता है।

â€¦(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, राज्य सभा में मंत्री जी ने इसे खुद स्वीकार किया है । ...(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : उन्होंने खुद माना है कि मैंने प्रैशर डाला। प्रधान मंत्री ने आठ चिट्ठियां लिखीं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप इस बारे में जानते हैं। You have to follow the rules.

...(*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में सीबीआई इंक्वायरी होनी चाहिए ताकि पता लग जाये। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: ठीक है, आप मोशन का नोटिस दे दीजिए। हमने इसमें इंकार नहीं किया है।

â€¦(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, क्या * के मामले में नोटिस की जरूरत है? यह *

है इसलिए इसमें नोटिस की क्या जरूरत है? यह बिना नोटिस के चलेगा। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप सब कुछ जानते हैं। हमने आपकी कितनी मदद की है।

...(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, हजारों कम्पनियां बंद हो रही हैं। ...(व्यवधान)

हजारों कम्पनियों को गैस नहीं मिल रही। प्रधान मंत्री कार्यालय का इसमें शामिल होना, बहुत ही सीरियस बात है। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Therefore, you can raise it in a proper form. I am not disputing it. आप दूसरे इश्यू पर बोलिये।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, सिक्स्थ पे कमीशन की जब संस्तुति आने वाली थी, तो सरकारी कर्मचारियों और उनके साथ अन्य जुड़े हुए केस हैं, उनमें बहुत आशा थी। उन्होंने इससे बहुत ज्यादा अपेक्षा की थी। परन्तु दुर्भाग्य से सिवाय एक वर्ग को छोड़कर, आईएएस को छोड़कर बाकी सब में बहुत ही अधिक असन्तोष फैला हुआ है। इसके खिलाफ धरने और आवाज उठायी जा रही है। सबसे ज्यादा कष्ट हमारी सेना को हुआ है। पहली बार इतिहास में हुआ है कि सेना के तीनों अंगों के चीफ मिलकर इसके खिलाफ असंतोष प्रकट करने के लिए डिफेंस मिनिस्टर से मिले।[MSOffice19]

इसके लिए आवाज उठाई है। पूर्व सैनिक जगह-जगह पर धरने दे रहे हैं, पूरे देश में जगह-जगह इसके खिलाफ आवाज उठाई जा रही है। इसी प्रकार की आवाज सी और डी ग्रुप

के कर्मचारी भी उठा रहे हैं। पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों में भी असंतोष है। शिक्षकों में भी इसके खिलाफ असंतोष है। इस प्रकार एक भी वर्ग ऐसा नहीं है जो इससे संतुष्ट हो।

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार): सिर्फ आईएएस लोगों को छोड़कर कोई इससे संतुष्ट नहीं है।

श्री मोहन सिंह (देवरिया) : उनमें भी केवल सीनियर आईएएस हैं।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : इस तरह केवल सीनियर आईएएस लोगों को छोड़कर इससे कोई वर्ग संतुष्ट नहीं है। आपने कहा है कि इसके लिए एक कमेटी बना दी है। कमेटी के सामने ये लोग मेमोरेंडम दें। उसके बाद इसमें कितना समय लगेगा? क्या इस बीच कर्मचारियों को इंटरिम रिलीफ देने के लिए आप कार्यवाही करेंगे? आज महंगाई जितनी बढ़ गयी है, उसको देखते हुए उनको इंटिरिम पे रिलीफ देना आवश्यक है। सेना के लोगों का असंतोष दूर करने के लिए अगर आवश्यक हो तो उनके लिए अलग पे कमीशन बनाने पर विचार किया जाए, उनको आम सर्विसेज के साथ लिंक न किया जाए।

श्री प्रभुनाथ सिंह : महोदय, मैं मल्होत्रा जी के साथ स्वयं को संबंद्ध करते हुए कहना चाहता हूं कि जो कमेटी बनाई गयी है, वह भी आईएएस अधिकारियों की ही है। ऐसे में आईएएस लोगों ने ही ... * किया है और उन्हीं लोगों की कमेटी बनाई गयी है। यह कैसे चलेगा।

अध्यक्ष महोदय : यह शब्द कार्यवाही में शामिल नहीं किया जाएगा।

श्री प्रभुनाथ सिंह : इसलिए अलग से एक कमेटी बनाई जाए और हो सके तो संसदीय कमेटी से इसकी समीक्षा कराएं जिससे सभी लोगों के साथ न्याय हो सके। यह मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं।

MR. SPEAKER: Your name will be associated. लेकिन यह शब्द नहीं चलेगा।

श्री प्रभुनाथ सिंह : इस शब्द की जगह गड़बड़ी शब्द करवा दीजिए।

अध्यक्ष महोदय : श्री दुष्यंत सिंह ने स्वयं को प्रो0विजय कुमार मल्होत्रा जी की बात से संबद्ध किया है।